वाच्य

वाच्य की परिभाषा

वाच्य :- क्रिया के जिस रुप से यह ज्ञात हो कि वाक्य में क्रिया के विधान का मुख्य विषय कर्ता है, कर्म है या भाव है, उसे वाच्य कहते हैं;

जैसे -

(i) लड़के गेंद से खेल रहे हैं।

(ii) लड़के द्वारा गेंद से खेला जा रहा है।

यहाँ पर एक ही वाक्य को दो अलग-अलग तरह से बताया गया है। पहले वाक्य में कर्ता प्रधान है – **लड़के** कर्ता है तथा दूसरे वाक्य में भाव प्रधान है।

इसी आधार पर वाच्य को तीन भागों में बाँटा गया है -

(1) कर्तृवाच्य

(2) कर्मवाच्य

(3) भाववाच्य

वाच्य के प्रकार – कर्तृवाच्य

जिन वाक्यों में 'कर्ता' प्रधान होता है, वे कर्तृवाच्य होते हैं। इन वाक्यों में क्रिया का सीधा सम्बन्ध कर्ता से होता है; जैसे -

(i) हम बाज़ार जाएँगे।

(ii) राधा कल स्कूल नहीं जाएगी।

(iii) योगेश ने चित्र बनाया है।

• कर्तृवाच्य में सकर्मक तथा अकर्मक क्रिया दोनों प्रकार की क्रियाओं का प्रयोग किया जाता है।

वाच्य के प्रकार – कर्मवाच्य

जिन वाक्यों में 'कर्म' प्रधान होता है, वे कर्मवाच्य होते हैं। इन वाक्यों में क्रिया का सीधा सम्बन्ध कर्म से होता है। कर्मवाच्य में क्रियाएँ कर्म के अनुसार होती हैं; जैसे -

(i) हमसे बाज़ार नहीं जाया जाएगा।

(ii) राधा द्वारा कल स्कूल नहीं जाया जाएगा।

(iii) ज्योति द्वारा चित्र बनाया गया।

• कर्मवाच्य में केवल सकर्मक क्रिया का प्रयोग किया जाता है।

वाच्य के प्रकार – भाववाच्य

जिन वाक्यों में कर्ता तथा कर्म दोनों ही प्रमुख नहीं होते, परन्तु भाव प्रधान होता है, वे भाववाच्य कहलाते हैं। इन वाक्यों में क्रिया में वचन तथा काल का प्रयोग भाव के अनुसार होता है; जैसे -

(i)

बच्चों के द्वारा जाया जा रहा है।

(ii) चलो ज़रा खेला जाए।

(iii) पक्षियों द्वारा रात में सोया जाता है।

• भाववाच्य में कर्म नहीं होता है। इसमें अकर्मक क्रिया का प्रयोग होता है।

वाच्य परिवर्तन

कर्मवाच्य और भाववाच्य में अंतर

कर्मवाच्य :-

(i) राम से केला खाया जाता है।

कर्ता कर्म क्रिया

(ii) महिमा द्वारा अखबार पढ़ा जाता है।

कर्ता कर्म क्रिया

भाववाच्य :-

(i) राम से चला नहीं जाता है।

कर्ता क्रिया

(ii) महिमा से सोया जाता है।

कर्ता क्रिया

इन दोनों ही वाक्यों में क्रिया का प्रयोग किया गया है। लेकिन कर्मवाच्य में सकर्मक क्रिया (जिस क्रिया के साथ कर्म है) का प्रयोग किया गया है तथा भाववाच्य में अकर्मक क्रिया (जिस क्रिया में कर्म न हो) का प्रयोग किया गया है।

वाच्य परिवर्तन:-

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाना:- किसी भी वाक्य को कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में बदलने के लिए कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक है। ये नियम इस प्रकार हैं -

(i) कर्मवाच्य में बदलने के लिए कर्तृवाच्य के वाक्य में कर्ता के साथ करण कारक के विभक्ति चिह्न - 'से', 'के द्वारा' का प्रयोग किया जाता है; जैसे -

कर्तृवाच्य	**कर्मवाच्य**
सावित्री ने खाना खाया।	सावित्री के द्वारा खाना खाया गया।
राहुल ने गाना गाया।	राहुल के द्वारा गाना गया गया।

(ii) कर्तृवाच्य वाक्य के लिंग, वचन तथा कर्म क्रिया के अनुसार बदल दिए जाते हैं; जैसे -

कर्तृवाच्य	**कर्मवाच्य**
मैं खाना खाती हूँ।	मुझसे खाना खाया जाता है।

(iii) कर्तृवाच्य को कर्मवाच्य में परिवर्तित करने से क्रिया में आ, ई, ए, और या जोड़ना पड़ता है; जैसे -

कर्तृवाच्य	**कर्मवाच्य**
वह चित्र बनाती है।	उसके द्वारा चित्र बनाया जाता है।

उदाहरण :-

	कर्तृवाच्य		**कर्मवाच्य**
1.	हम कल नाटक देखने जाएँगे।	1.	हमारे द्वारा कल नाटक देखने जाया जाएगा।
2.	वह सबको मूर्ख बनाता है।	2.	उसके द्वारा सबको मूर्ख बनाया जाता है।

कर्तृवाच्य से भाववाच्य बनाना :- कर्तृवाच्य से भाववाच्य में बदलने के लिए कुछ नियम हैं -

(i) भाववाच्य बनाते समय कर्ता के साथ करण कारक का विभक्ति-चिह्न 'से' अथवा 'के द्वारा' का प्रयोग किया जाता है।

(ii) कर्तृवाच्य वाक्य के लिंग, वचन तथा कर्म क्रिया के अनुसार बदल दिए जाते हैं।

उदाहरण -

	कर्तृवाच्य		**भाववाच्य**
1.	खुशबू आज बहुत खुश है।	1.	खुशबू से आज बहुत खुश हुआ जा रहा है।
2.	क्या वे तैरेंगे?	2.	क्या उनके द्वारा तैरा जाएगा?
3.	आओ, हम खेलें।	3.	आओ, हमसे खेला जाए।

(iii) कर्तृवाच्य को भाववाच्य में परिवर्तित करने से क्रिया में आ, ई, ऐ, और या जोड़ना पड़ता है।

उदाहरण -

	कर्तृवाच्य		**भाववाच्य**
1.	खुशबू तैर रही है।	1.	खुशबू द्वारा तैरा जा रहा है।

<u>वाच्य परिवर्तन सम्बन्धी कुछ महत्वपूर्ण बातें</u> :-

(i) कर्तृवाच्य में कर्ता प्रधान होता है तथा इसमें सकर्मक तथा अकर्मक दोनों ही प्रकार की क्रियाएँ होती हैं।

(ii) कर्मवाच्य तथा भाववाच्य दोनों में ही करण कारक के परसर्ग - 'से' या 'के द्वारा' लगाया जाता है।

(iii) कर्मवाच्य में क्रिया के साथ कर्म होता है अर्थात् सकर्मक क्रिया होती है तथा भाववाच्य में क्रिया के साथ कर्म नहीं होता है अर्थात् अकर्मक क्रिया होती है।